--- ::: कुण संग आया कुण संग जासी, सब जग जासी साथ बिना :::---

दिल अपने में सोच ले समझ दुःख पावै ज्यान तेरी नाथ बिना रघुनाथ बिना..... जी

आई जवानी भया दीवाना, बल तोले हस्ती जितना |
यम का दूत पकड़ ले ज्यासी, जोर न चले टिल जितना ||

भाई बंधू कुटुंब कबीला, झूठी माया घर अपना |
कई बार पुत्र पिता घर जन्मे, कई बार पुत्र पिता अपना ||

कुण संग आया कुण संग जासी, सब जग जासी साथ बिना |
हंसलो बटेऊ तेरा यही रह ज्यासी, खोड़ पड़ी रहवे सांस बिना ||

लखै सरिसा लख घर छोड्या, हीरा मोती और रतना |
अपनी करणी पार उतरनी, भजन बणायो है कसाई सजना |

दिल अपने में सोच ले समझ दुःख पावै ज्यान तेरी नाथ बिना रघुनाथ बिना..... जी

जय शंकर की....
जय श्री नाथजी कि....